**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding the matter of urgent public importance.

**माननीय अध्यक्ष:** माननीय सदस्यगण, शून्य काल जो कि सबसे महत्वपूर्ण है, उसमें आप अपने सारे विषयों को रख सकते हैं। इसके लिए आपको चुन कर जनता ने भेजा है, वहां की जनता की भावनाओं, वहां की समस्याओं को आप सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचा सकते हैं। मैं आपको शून्य काल में पर्याप्त समय और अवसर दूंगा।

…(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष:** माननीय सदस्यगण, आप सब अपनी-अपनी सीट्स पर जाकर बैठिए। मैं आप लोगों से फिर निवेदन कर रहा हूं कि आप चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं। आप जनता की समस्याएं, उनकी कठिनाइयां, उनके अभावों को सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचा सकते हैं। मैं आपको शून्यकाल में पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर दूंगा। आपसे निवेदन है कि आप सब अपनी-अपनी सीट्स पर बैठिए।

…(व्यवधान)

**SHRI PRALHAD JOSHI:** Sir, the same demand was there in the other House also and we discussed with the leaders and the leaders agreed that more time be given to the discussion on Motion of Thanks on the President's Address. …(*Interruptions*) Government and the Opposition sat together and we came to conclusion for allotting 15 hours. The same thing was discussed with the leaders here in this House also. …(*Interruptions*) I do not want to name them, but before the commencement of the sitting of the House today, I had personally discussed and as far as I know, you have also talked to them. इसके बाद एग्रीमेंट भी हुआ था कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद चर्चा पहली प्राइआरिटी है, इसलिए हम इसे शुरू करेंगे, राष्ट्रपति को धन्यवाद करना पहले से भी प्रेसिडन्ट है। …(व्यवधान) इसलिए सभी लोग एग्री हुए थे लेकिन इनको क्या हो गया, मुझे पता नहीं, अचानक ये पलटकर अभी कह रहे हैं कि हम सदन नहीं चलने देंगे, यह राष्ट्रपति का भी अपमान है। …(व्यवधान) मैं विनती करता हूं कि जो कुछ भी लीडर्स के साथ चर्चा हुई थी, कम से कम उसको तो मान्यता दे दीजिए, फॉलो-अप कीजिए। …(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष:** सभा की कार्यवाही शाम सात बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

**17.09hrs**

*The Lok Sabha then adjourned till Nineteen of the Clock.*

**19.00 hrs**

*The Lok Sabha reassembled at Nineteen of the Clock.*

(Shrimati Meenakashi Lekhi *in the Chair)*

…(व्यवधान)

*(At this stage, Shri Bhagwant Mann, Shrimati Harsimrat Kaur Badal, Shri Kodikunnil Suresh and some other Hon. Members came and stood on the floor near the Table.*

…(व्यवधान)

**HON. CHAIRPERSON:** Hon. Members, the Matters under Rule 377 shall be laid on the Table of the House. Members, who have been permitted to raise matters under Rule 377 today and are desirous of laying them, may personally hand over text of the matter at the Table of the House immediately.

Only those matters shall be treated as laid for which text of the matter has been received at the Table within the stipulated time. The rest will be treated as lapsed.

… (*Interruptions*)